

## वश्व मलेरिया रपिर्ट 2023

### प्रलिमिंस के लयि:

मलेरिया, वश्व सवास्थय संगठन, वश्व सवास्थय सभा, वेक्टर-जनति रोग

### मेन्स के लयि:

सवास्थय, मलेरिया और इसका उनमूलन, भारत में रोग का बोझ, अच्चे सवास्थय परणाम सुनश्चिति करने के उपाय, सरकारी पहल

[स्रोत: द हद्दि](#)

### चर्चा में क्यौं?

[वश्व सवास्थय संगठन \(WHO\)](#) द्वारा हाल ही में जारी की गई [वश्व मलेरिया रपिर्ट 2023](#), भारत और वश्व स्तर पर [मलेरिया](#) की खतरनाक स्थिति पर प्रकाश डालती है।

### रपिर्ट की मुख्य वशेषताएँ क्या हैं?

- **वैश्वकि मलेरिया अवलोकन:**
  - वश्व मलेरिया रपिर्ट 2023 के अनुसार, वर्ष 2022 में अनुमानति 249 मलियन मामलों के साथ वैश्वकि वृद्धि हुई है जो महामारी से पहले के स्तर को पार कर जाणी।
    - [कोवडि-19](#) वयवधान, [दवा परतरिध](#), मानवीय संकट और [जलवायु परविरतन](#) आदि वैश्वकि मलेरिया परतकिरिया के लयि खतरा पैदा करते हैं।
  - वैश्वकि स्तर पर मलेरिया के 95% मामले 29 देशों में हैं।
    - चार देश- [नाइजीरिया \(27%\)](#), [कांगो लोकतांत्रिकि गणराज्य \(12%\)](#), [युगांडा \(5%\)](#), और [मोज़ाम्बिकि \(4%\)](#) वैश्वकि स्तर पर मलेरिया के लगभग आधे मामलों के लयि ज़मिमेदार हैं।
- **भारत में मलेरिया परदृश्य:**
  - वर्ष 2022 में WHO के दक्षणि-पूरव एशिया क्षेत्र में मलेरिया के आश्चर्यजनक **66% मामले** भारत में थे।
    - [प्लाज़मोडियम वर्विक्स](#), एक प्रोटोज़ोआ परजीवी ने इस क्षेत्र में लगभग 46% मामलों में योगदान दिया।
  - **2015 के बाद से मामलों में 55%** की कमी के बावजूद भारत वैश्वकि मलेरिया बोझ में एक महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ता बना हुआ है।
    - भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जसिमें वर्ष 2023 में बेमौसम बारशि से जुड़े मामलों में वृद्धि भी शामिल है।
  - WHO के दक्षणि-पूरव एशिया क्षेत्र में **मलेरिया से होने वाली कुल मौतों में से लगभग 94% मौतें भारत और इंडोनेशिया** में होती हैं।
- **क्षेत्रीय प्रभाव:**
  - **अफ्रीका पर मलेरिया का असर सबसे ज़्यादा** है, वर्ष 2022 में वैश्वकि मलेरिया के 94% मामले और इससे होने वाली 95% मौतें अफ्रीका में देखी गईं।
  - भारत सहति WHO दक्षणि-पूरव एशिया क्षेत्र में पछिले दो दशकों में मलेरिया पर काबू पाने में कामयाब रहा है, जसिमें **वर्ष 2000 के बाद से रोग के मामलों और इससे हुई मौतों में 77% की कमी** आई है।
- **जलवायु परविरतन और मलेरिया:**
  - जलवायु परविरतन एक प्रमुख कारक के रूप में उभरा है, जो मलेरिया संचरण और समग्र बोझ को प्रभावति कर रहा है।
    - बदलती जलवायु परस्थितियों मलेरिया रोगजनक और रोग संचरण/वेक्टर की संवेदनशीलता को बढ़ाती है, जसिसे इसके प्रसार में आसानी होती है।
  - WHO इस बात पर बल देता है कि जलवायु परविरतन मलेरिया के बढ़ने का जोखमि उत्पन्न कर रहा है, जसिके लयि संधारणीय और आघातसह परतकिरियाओं की आवश्यकता है।
- **वैश्वकि उनमूलन लक्ष्य:**
  - WHO का लक्ष्य वर्ष **2025 में मलेरिया की घटनाओं और मृत्यु दर को 75% और वर्ष 2030 में 90% तक कम** करना है।
    - वर्ष **2025 तक मलेरिया की घटनाओं में 55% तक कमी** लाने और **मृत्यु दर में 53% तक कमी** लाने के लक्ष्य की दशि में

वैश्विक प्रयास पर्याप्त नहीं हैं।

- **मलेरिया उन्मूलन को लेकर चुनौतियाँ:**
  - मलेरिया नियंत्रण के लिये फंडिंग अंतर वर्ष 2018 में 2.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022 में 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
  - अनुसंधान और विकास नधि 15 वर्ष के नचिले स्तर 603 मलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुँच गई, जिससे नवाचार और प्रगतिके बारे में चर्चाएँ बढ़ गई हैं।
- **मलेरिया वैक्सीन का प्रभाव और उपलब्धियाँ:**
  - रपिर्ट अफ्रीकी देशों में **WHO-अनुशंसित मलेरिया वैक्सीन, RTS,S/AS01** की चरणबद्ध शुरुआत के माध्यम से मलेरिया की रोकथाम में उल्लेखनीय प्रगति पर बल देती है।
    - घाना, केन्या और मलावी में प्रभावी मूल्यांकन के चलते गंभीर मलेरिया की स्थिति में उल्लेखनीय कमी और बच्चों में होने वाली मौतों में **13% की कमी का पता चलता है**, जो टीके की प्रभावशीलता की पुष्टि करता है।
    - यह उपलब्धि बिस्तर जाल और इनडोर छड़िकाव जैसे मौजूदा हस्तक्षेपों के साथ मलिकर एक व्यापक रणनीति बनाती है, जिससे इन क्षेत्रों में समग्र परिणामों में सुधार हुआ है।
  - अक्टूबर 2023 में WHO ने दूसरी सुरक्षित और प्रभावी मलेरिया वैक्सीन, **R21/Matrix-M** की अनुशंसा की।
  - मलेरिया के दो टीकों की उपलब्धता के चलते आपूर्ति बढ़ने के परिणामस्वरूप पूरे अफ्रीकी क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर इसकी उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है।
- **कॉल फॉर एक्शन:**
  - WHO मलेरिया के वरिद्ध लड़ाई में एक महत्वपूर्ण धुरी/केंद्रबिंदु की आवश्यकता पर जोर देता है तथा संसाधनों में वृद्धि, दृढ़ राजनीतिक प्रतिबद्धता, डेटा-संचालित रणनीतियाँ एवं नवीन उपकरणों की मांग करता है।
  - जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों के साथ संरक्षित सतत तथा लचीली मलेरिया प्रतिरक्षाएँ प्रगतिके लिये आवश्यक मानी जाती हैं।

## मलेरिया क्या है?

- मलेरिया एक जानलेवा मच्छर जनित रक्त रोग है जो **प्लाज़्मोडियम परजीवियों** के कारण होता है।
  - 5 प्लाज़्मोडियम परजीवी प्रजातियाँ हैं जो मनुष्यों में मलेरिया का कारण बनती हैं तथा इनमें से 2 प्रजातियाँ- **पी. फाल्सीपेरम व पी. वविक्स** सबसे बड़ा खतरा पैदा करती हैं।
- मलेरिया मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।
- मलेरिया **संक्रमित मादा एनोफेलीज़ मच्छर** के काटने से फैलता है।
  - किसी संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद **मच्छर संक्रमित हो जाता है**। इसके बाद मच्छर जिस अगले व्यक्ति को काटता है, मलेरिया परजीवी उस व्यक्ति के रक्तप्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। परजीवी यकृत तक पहुँचकर परिपक्व होते हैं तथा फिर **लाल रक्त कोशिकाओं** को संक्रमित करते हैं।
- मलेरिया के लक्षणों में बुखार तथा फ्लू जैसी व्याधियाँ शामिल हैं, जिसमें ठंड लगने के साथ कंपकंपी, सरिदर, मांसपेशियों में दर्द एवं थकान शामिल है। विशेष रूप से मलेरिया रोकथाम तथा उपचार योग्य दोनों हैं।

## मलेरिया की रोकथाम से संबंधित पहलें क्या हैं?

- **वैश्विक पहल:**
  - **WHO का वैश्विक मलेरिया कार्यक्रम (GMP):**
    - WHO का GMP मलेरिया को नियंत्रित तथा खत्म करने के लिये WHO के वैश्विक प्रयासों के समन्वय के लिये उत्तदायी है।
    - इसका कार्यान्वयन मई 2015 में **वशिव स्वास्थय सभा** द्वारा अपनाई गई तथा वर्ष 2021 में अद्यतन की गई **"मलेरिया की रोकथाम के लिये वैश्विक तकनीकी रणनीति 2016-2030"** द्वारा निर्देशित है।
      - इस रणनीति में **वर्ष 2030 तक वैश्विक मलेरिया की घटनाओं तथा मृत्यु दर को कम-से-कम 90% तक कम करने का लक्ष्य** निर्धारित किया गया है।
  - **मलेरिया उन्मूलन पहल:**
    - **बलि एंड मेलडिा गेट्स फाउंडेशन** के नेतृत्व में यह पहल उपचार तक पहुँच, मच्छरों की आबादी में कमी लाने और प्रौद्योगिकी विकास जैसी विभिन्न रणनीतियों के माध्यम से मलेरिया उन्मूलन पर केंद्रित है।
  - **E-2025 पहल:**
    - WHO ने वर्ष 2021 में **E-2025** पहल शुरू की। इस पहल का लक्ष्य वर्ष 2025 तक 25 देशों में मलेरिया के संचरण को रोकना है।
    - WHO ने वर्ष 2025 तक मलेरिया उन्मूलन की क्षमता वाले ऐसे 25 देशों की पहचान की है।
- **भारत:**
  - **मलेरिया उन्मूलन के लिये राष्ट्रीय ढाँचा 2016-2030:**
    - WHO की रणनीति के अनुरूप इस ढाँचे का लक्ष्य वर्ष 2030 तक पूरे भारत में मलेरिया का उन्मूलन करना एवं मलेरिया मुक्त क्षेत्रों को बनाए रखना है।
  - **राष्ट्रीय वेक्टर-जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम:**
    - यह कार्यक्रम रोकथाम और नियंत्रण उपायों के माध्यम से मलेरिया सहित विभिन्न **वेक्टर जनित बीमारियों** के समाधान पर केंद्रित है।
  - **राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम (NMCP):**

- NMCP की शुरुआत वर्ष 1953 में तीन प्रमुख गतविधियों के आधार पर मलेरिया के वनाशकारी प्रभावों से निपटने के लिये की गई थी, ये हैं- DDT वाले कीटनाशक अवशेष का छड़िकाव (Insecticidal Residual Spray- IRS); मलेरिया संबंधी मामलों की नगिरानी और नरीक्षण; एवं मरीजों का उपचार ।
- **हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट (HBHI) पहल:**
  - इसकी शुरुआत वर्ष 2019 में चार राज्यों (पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश) में की गई थी, यह कीटनाशक वितरण के माध्यम से मलेरिया में कमी लाने पर केंद्रित था ।
- **मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन-भारत (MERA-India):**
  - इसकी स्थापना **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)** द्वारा की गई थी, यह भागीदारों को मलेरिया नियंत्रण अनुसंधान में सहयोग करता है ।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

**प्रश्न.** क्लोरोक्वीन जैसी दवाओं के प्रति मलेरिया परजीवी के व्यापक प्रतिरोध ने मलेरिया से निपटने के लिये मलेरिया का टीका विकसित करने के प्रयासों को प्रेरित किया है । मलेरिया का प्रभावी टीका विकसित करना क्यों कठिन है? (2010)

- (a) प्लाज़्मोडियम की कई प्रजातियों के कारण मलेरिया होता है ।
- (b) प्राकृतिक संक्रमण के दौरान मनुष्य में मलेरिया के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं होती है ।
- (c) इसके टीके केवल बैक्टीरिया के विरुद्ध विकसित किये जा सकते हैं ।
- (d) मनुष्य केवल एक मध्यवर्ती मेज़बान है, न कि निश्चित मेज़बान ।

**उत्तर: (b)**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/2023-world-malaria-report>

